Dr. Kumari Priyanka

Department of history

H.D jain college, Ara

Notes for BA part 3

Question :-इल्तुतमिश की जीवनी और उपलब्धियां का वर्णन करें

इल्तुतमिश (1211-1236 ई.) दिल्ली सल्तनत के गुलाम वंश (ममलूक वंश) का तीसरा और सबसे महत्वपूर्ण सुल्तान था। वह कुतुबुद्दीन ऐबक का दास था, जिसे बाद में उसका दामाद और उत्तराधिकारी बनाया गया। इल्तुतमिश की शासन क्षमता, सैन्य कुशलता और प्रशासनिक दक्षता ने उसे दिल्ली सल्तनत का वास्तविक संस्थापक बना दिया।इल्तुतमिश तुर्की मूल का था और उसे ऐबक ने खरीदा था। अपनी बुद्धिमत्ता और क्षमता के कारण वह ऐबक का विश्वासपात्र बन गया और बाद में उसका दामाद भी बना। 1211 ई. में ऐबक की मृत्यु के बाद, उसका उत्तराधिकारी आरामशाह कमजोर साबित हुआ, जिससे इल्तुतमिश ने उसे हराकर दिल्ली की गद्दी पर अधिकार कर लिया।

उपलब्धियाँ

1.प्रशासनिक सुधार

इल्तुतमिश ने दिल्ली सल्तनत को एक संगठित प्रशासन दिया।उसने प्रांतों को मजबूत किया और एक केंद्रीकृत शासन प्रणाली विकसित की।उसने इक्ता प्रणाली (भूमि विभाजन और राजस्व संग्रहण प्रणाली) को व्यवस्थित किया, जिससे सल्तनत को आर्थिक स्थिरता मिली।

2. मुद्रा प्रणाली का सुधार उसने भारतीय उपमहाद्वीप में पहली बार चाँदी का टंका और तांबे का जीतल सिक्का जारी किया, जो बाद में सल्तनत काल की मानक मुद्रा बन गई।

3. मंगोल आक्रमण से रक्षा 1221 ई. में चंगेज खान के नेतृत्व में मंगोल भारत की सीमा तक पहुँच गए थे, लेकिन इल्तुतमिश ने कूटनीति से काम लेते हुए युद्ध से बचाव किया और मंगोलों को भारत में प्रवेश नहीं करने दिया।

4. राजनीतिक स्थिरता और साम्राज्य विस्तार उसने लाहौर, बंगाल, बिहार, और मालवा को अपने नियंत्रण में लिया और सल्तनत के क्षेत्र को विस्तारित किया।उसने राजपूत शासकों को हराकर कई क्षेत्रों पर अधिकार कर लिया, जिससे उसकी शक्ति बढ़ी।1226-1227 में उसने रणथंभौर, मांडू, और ग्वालियर पर विजय प्राप्त की।

5. चालुक्य और चालुक्य शासकों से संघर्ष

उसने गुजरात और राजस्थान के राजपूत शासकों के विरुद्ध कई सफल युद्ध लड़े।

6.कुतुब मीनार का निर्माण

इल्तुतमिश ने कुतुब मीनार के निर्माण कार्य को पूरा किया, जिसे कुतुबुद्दीन ऐबक ने शुरू किया था।

7. उत्तराधिकार और "चालीसियों" का गठन

उसने अपने शासन को मजबूत करने के लिए तुर्की अमीरों के एक समूह (चालीसा या तुर्कान-ए-चहलगानी) का गठन किया।उसके बाद उसकी पुत्री रजिया सुल्तान ने शासन किया, जो दिल्ली की पहली महिला शासक बनी।

निष्कर्ष

इल्तुतमिश केवल एक महान सेनापति ही नहीं, बल्कि एक कुशल प्रशासक भी था। उसने दिल्ली सल्तनत की नींव को मजबूत किया और इसे एक संगठित और शक्तिशाली साम्राज्य बनाया। उसकी कूटनीतिक सूझबूझ, प्रशासनिक सुधार और सैन्य विजय ने उसे गुलाम वंश का सबसे प्रभावशाली शासक बना दिया।